3 पक्षी की चाह

कहानी

पाठ चर्चा : प्रस्तुत कहानी में पक्षी बेचने वाले के चंगुल से मुक्ति दिलाने के लिए पंडित रामनिवास ने तोता खरीद लिया। वे उसका पूरा ध्यान रखते थे। फिर भी तोता इस जीवन से खुश नहीं था। आखिर क्यों? और फिर क्या हुआ? आइए, पढ़कर जानें...

एक दिन की बात है। पंडित रामनिवास शर्मा कथा-वाचन कर अपने घर वापस आ रहे थे। रास्ते में बाज़ार पड़ता था। वहाँ से उन्होंने आवश्यक वस्तुएँ खरीदीं। बाज़ार में उन्होंने देखा, एक व्यक्ति सुंदर-सुंदर तोते बेच रहा है। वे तोता बेचने वाले के पास गए और एक तोता खरीद लिया जो 'राम-राम' कहता था।

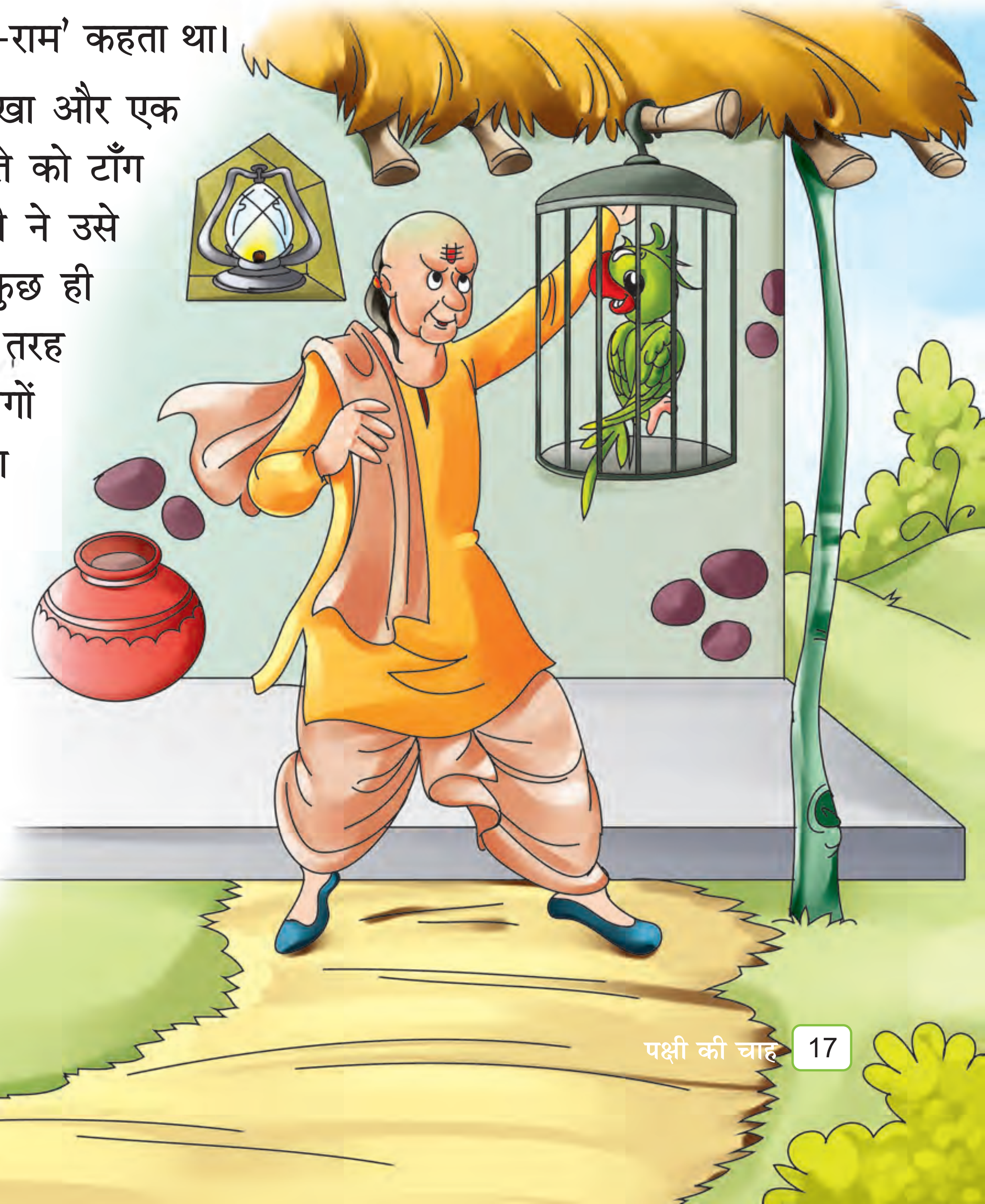

घर आकर सारा सामान रखा और एक सुरक्षित स्थान पर उस तोते को टाँग दिया। धीरे-धीरे पंडित जी ने उसे बहुत कुछ सिखा दिया। कुछ ही दिनों में वह तोता बच्चों की तरह बातूनी हो गया। अनेक लोगों ने पंडित जी से वह तोता खरीदना चाहा, परंतु पंडित जी ने किसी को न दिया।

एक रात पंडित जी ने स्वप्न में देखा कि तोता उनसे विनयपूर्वक कह रहा था, "पंडित जी, आपने मुझे क्यों कैद कर रखा है? आप तो धार्मिक

व्यक्ति हैं, फिर यह पाप क्यों कर रहे हैं?" पंडित जी ने उसे समझाया, "तुम मुझसे यह बात कह रहे हो जबकि मैं तुम्हें सुरक्षा दे रहा हूँ। क्या तुमने यही बात उस व्यक्ति से कही थी जिसने तुम्हें पकड़ा था और बेच रहा था?"

तोते ने जवाब दिया, "पंडित जी, पंछी पकड़ना और बेचकर पेट पालना उसकी मजबूरी है। यदि वह मेरी बात मानता तो फिर पंछी पकड़ता ही क्यों? फिर उसके परिवार का गुज़ारा कैसे होता? वह तो अपनी मजबूरी के कारण पंछी पकड़ता है। पर, आपकी तो यह मजबूरी नहीं। फिर आपने मुझे क्यों कैद कर रखा है? मैं तो आपके मनोरंजन का साधन मात्र बनकर रह गया हूँ।"

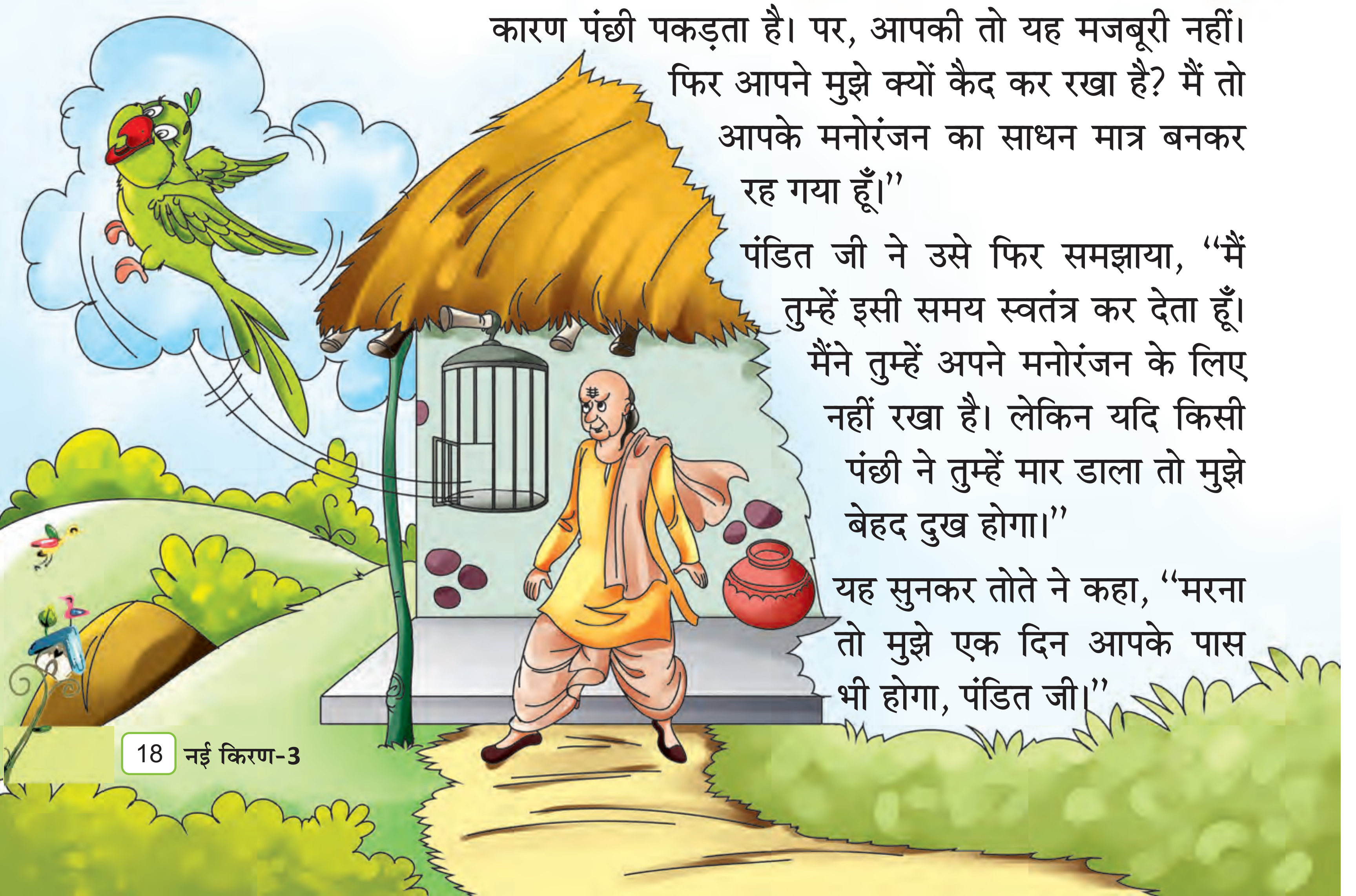

पंडित जी ने उसे फिर समझाया, "मैं तुम्हें इसी समय स्वतंत्र कर देता हूँ। मैंने तुम्हें अपने मनोरंजन के लिए नहीं रखा है। लेकिन यदि किसी पंछी ने तुम्हें मार डाला तो मुझे बेहद दुख होगा।"

यह सुनकर तोते ने कहा, "मरना तो मुझे एक दिन आपके पास भी होगा, पंडित जी।"

स्वप्न पूरा हुआ। प्रातःकाल हो गया। पंडित जी तोते के पास आकर बोले, "तू स्वतंत्र होना चाहता है न?"

यह सुनकर तोता प्रसन्नता से नाचने लगा। पंडित जी ने दुखी मन से उसे आज़ाद कर दिया।

देखते ही देखते वह तोता हवा से बातें करने लगा। वह स्वतंत्र होकर बहुत खुश था। उसे खुश देख पंडित जी भी प्रसन्न हुए।

—संतोष मालवीय 'प्रेमी'

शब्दार्थ

स्वप्न	सपना	**सुरक्षा**	रक्षा करना
बेहद	बहुत अधिक	**प्रसन्नता**	खुशी
स्वतंत्र	आज़ाद	**बातूनी**	बहुत बोलने वाला
कथा-वाचन	किसी कहानी को विस्तार से बताना		

श्रुतलेख : पंडित, आवश्यक, सुरक्षित, विनयपूर्वक, धार्मिक, सुरक्षा, स्वतंत्र, मनोरंजन, प्रातःकाल, आज़ाद

अभ्यास

मौखिक कार्य........

❖ **उत्तर बताओ :**

क. पंडित रामनिवास क्या काम करके लौट रहे थे?

ख. तोते की क्या विशेषता थी?

ग. पंडित जी ने तोता बेचने से क्यों मना कर दिया?

घ. तोते की क्या इच्छा थी?

लिखित कार्य.......

1. दिए गए प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखो :

क. पंडित जी ने स्वप्न में क्या देखा?

....

....

ख. पक्षियों को पकड़ने के पीछे व्यक्ति की क्या मजबूरी थी?

....

....

ग. पंडित जी ने तोते को क्यों उड़ा दिया?

....

....

2. सही शब्द चुनकर खाली स्थान पर लिखो :

स्वतंत्र   कैद   स्वप्न   नाचने

क. एक रात पंडित जी ने .... देखा।

ख. फिर आपने मुझे क्यों .... कर रखा है?

ग. तू .... होना चाहता है न?

घ. तोता प्रसन्नता से .... लगा।

3. वाक्य पढ़कर ✓ या ✗ चिह्न लगाओ :

क. बाज़ार में एक व्यक्ति कबूतर बेच रहा था। ☐

ख. तोता बच्चों की तरह बातूनी हो गया। ☐

ग. पंडित जी ने तोता मनोरंजन के लिए खरीदा था। ☐

घ. तोता पंडित जी के पास कभी नहीं मरता। ☐

ङ. पंडित जी ने धीरे-धीरे तोते को बहुत कुछ सिखा दिया। ☐

भाषा की बात........

1. लिंग बदलकर लिखो :

बच्चा — .... बालक — .... मौसा — ....

गाय — .... बकरी — .... शेर — ....

याद रखें : कुछ शब्दों के साथ नर और मादा लगाकर लिंग की जानकारी मिलती है; जैसे— नर कोयल, मादा मच्छर आदि।

2. खाली स्थान पर में/ मैं लिखकर वाक्य पूरे करो :

क. पंडित जी ने स्वप्न .... तोते को देखा।

ख. .... तुम्हें सुरक्षा दे रहा हूँ।

ग. रजत को अमेरिका .... बड़ी ख्याति मिली।

घ. .... तुम्हें स्वतंत्र करता हूँ।

❖ पढ़ो और समझो :

पंडित रामनिवास शर्मा कथा-वाचन कर अपने घर वापस आ रहे थे। रास्ते में बाज़ार पड़ता था। वहाँ से उन्होंने आवश्यक वस्तुएँ खरीदीं।

बच्चो! तीसरे वाक्य में 'वहाँ' शब्द बाज़ार के लिए और 'उन्होंने' शब्द पंडित रामनिवास शर्मा के लिए आया है। संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

अन्य सर्वनाम शब्द हैं— मैं, हम, उनका, तुम, तुम्हारा, तुम्हें, वे, उनका, आप, आपका, आपको आदि।

3. अब वाक्यों में आए सर्वनाम शब्दों को रेखांकित करो :

क. वे तोता बेचने वाले के पास गए।

ख. उन्होंने उससे एक तोता खरीद लिया।

ग. पंडित जी ने उसे बहुत कुछ सिखा दिया।

घ. आपने मुझे क्यों कैद कर रखा है?

ङ. पंडित जी ने दुखी मन से उसे आज़ाद कर दिया।

4. **वाक्यों में उचित स्थान पर । , ! , , , ? लगाओ :**

क. चुन्नू मुन्नू दो भाई थे .... चुन्नू, मुन्नू दो भाई थे। ....

ख. तू स्वतंत्र होना चाहता है न ....

ग. मैं केरल पंजाब गोवा और दिल्ली गया ....

घ. क्या तुम मुझे छोड़ सकते हो ....

ङ. वाह बढ़िया छक्का मारा ....

याद रखें : इन चिह्नों को विराम चिह्न कहते हैं।

विचार-कौशल........

1. **यदि आपको कोई कमरे में बंद कर दे तो आपको कैसा लगेगा? सोचकर लिखो।**

....

....

....

2. **आप पंडित जी की जगह होते तो क्या करते? सोचकर लिखो।**

....

....

रचनात्मक कार्य........

1. **किसी एक शीर्षक पर सात वाक्य अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखो :**

- काश! मैं पक्षी होता...
- मैं और तोता...

2. **'पक्षी बचाओ' शीर्षक पर एक पोस्टर बनाकर आर्ट गैलरी में लगाओ।**